तपेदिक की रोकथाम में पोषण की भूमिका

प्रिलिम्स के लिये:

तपेदिक, ICMR, नि-क्षय पोषण योजना

मेन्स के लिये:

तपेदिक उन्मूलन की चुनौतियाँ, तपेदिक उन्मूलन में भारत की प्रगति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद** (ICMR) द्वारा किये गए और **द लांसेट और द लांसेट ग्लोबल हेल्थ** जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित दो अध्ययनों में **पोषण** तथा **तपेदिक की रोकथाम** के बीच एक महत्त्वपूर्ण संबंध का खुलासा किया गया है।

- **पोषण संबंधी स्थिति में सुधार द्वारा तपेदिक की सक्रियता को कम करना (Reducing Activation of Tuberculosis by Improvement of Nutritional Status- RATIONS), परीक्षण** पोषण संबंधी सहायता **तथा** तपेदिक की घटनाओं में कमी **के बीच संबंध को दर्शाता है।**
- **तपेदिक मृत्यु दर पर वज़न बढ़ने के प्रभाव संबंधी अध्ययन से** यह समझने में मदद करता है कि कुपोषित तपेदिक रोगियों में बढ़ा हुआ वज़न मृत्यु दर में कमी **के साथ किस प्रकार संबंधित है।**

नोट:

- **WHO के अनुसार**, वैश्विक तपेदिक मामलों में **भारत का योगदान 27%** है और **यह तपेदिक से संबंधित कुल मौतों का 35%** है।
- **भारत का लक्ष्य वर्ष 2025 तक तपेदिक को पूरी तरह से खत्म करना है।**

अध्ययन के प्रमुख बिंदु:

- **इस अध्ययन के अनुसार कुल 5,621 लोगों को एक वर्ष के लिये पोषक तत्त्वों से भरपूर भोजन दिया गया,** जबकि 4,724 लोगों को बिना किसी अतिरिक्त पोषण वाले खाद्य पदार्थ दिये गए।
    - परीक्षण में पाया गया कि जिस समूह को पोषक तत्त्वों से भरपूर भोजन दिया गया, उनमें टीबी की घटनाओं में 39% की कमी आई।
- वज़न बढ़ने से **झारखंड में गंभीर रूप से कुपोषित टीबी रोगियों में तपेदिक मृत्यु दर के जोखिम में कमी आई है।**
    - 1% वज़न बढ़ने पर मृत्यु का तात्कालिक जोखिम 13% कम हो गया तथा 5% वज़न बढ़ने पर 61% कम हो गया।
- **इस अध्ययन में झारखंड में गंभीर रूप से कुपोषित 2,800 टीबी रोगियों को शामिल किया गया, जिनमें से 5 में से 4 रोगियों में अल्पपोषण की व्यापकता थी।**
    - टीबी की दवाओं का असर वाले व्यक्तियों को छह महीने के लिये पोषण संबंधी सहायता प्रदान की गई, जबकि बहुऔषध-प्रतिरोधक तपेदिक (Multidrug-resistant TB or MDR-TB) से ग्रसित लोगों के लिये यह अवधि 12 महीने थी।
- पहले दो महीनों में जल्दी वज़न बढ़ने से टीबी से होने वाली मृत्यु का जोखिम 60% कम हो जाता है।
    - मरीज़ों में फॉलो-अप के दौरान उच्च उपचार सफलता, वज़न बढ़ना तथा वज़न घटने की कम दर देखी गई।

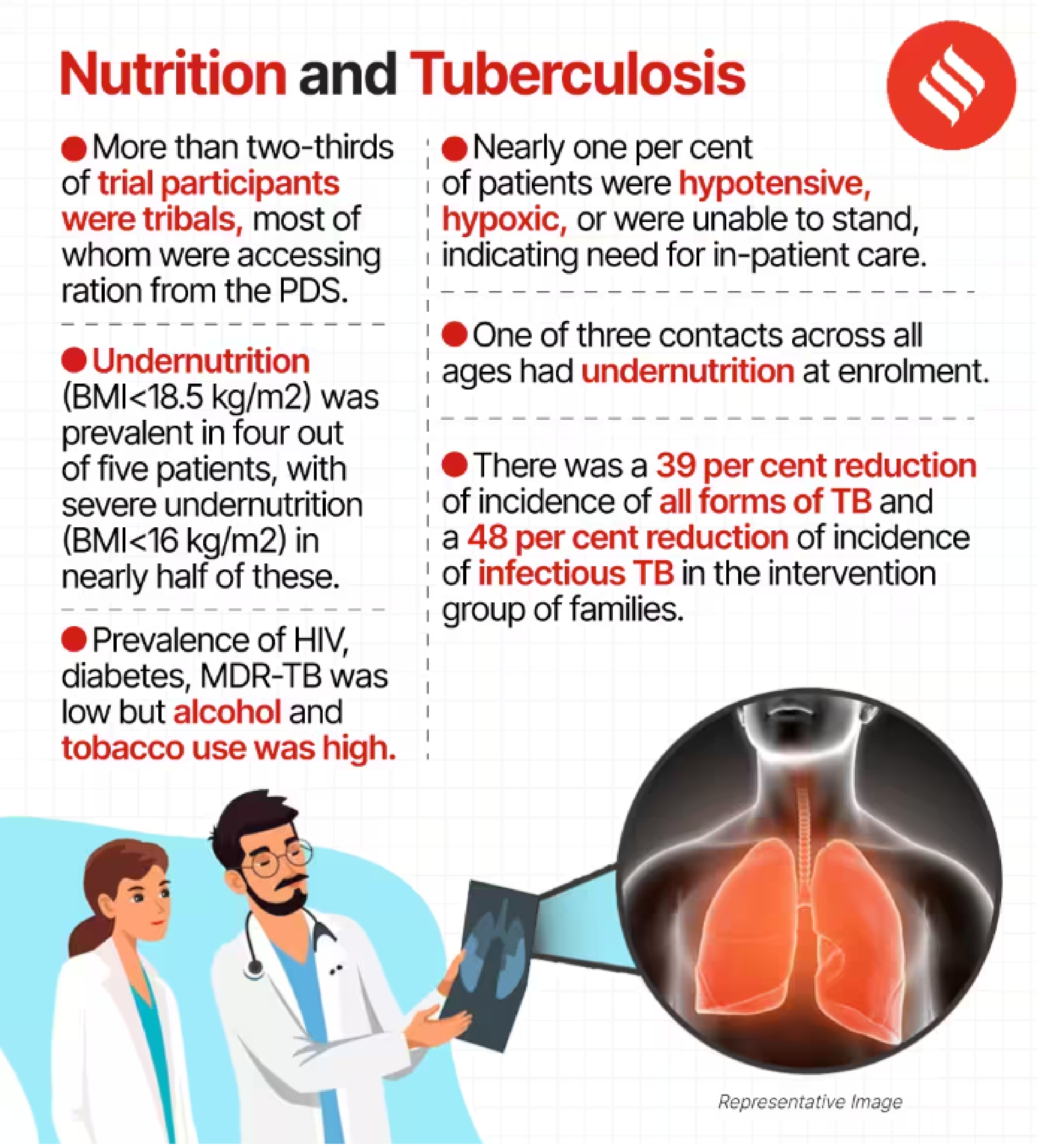

//

तपेदिक (Tuberculosis):

- **परिचय:**
  - तपेदिक एक संक्रमण है जो **माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक** बैक्टीरिया के कारण होता है। यह व्यावहारिक रूप से **शरीर के किसी भी अंग** को प्रभावित कर सकता है। सबसे आम हैं- फेफड़े, फुस्फुस (फेफड़ों के चारों ओर की परत), लिम्फ नोड्स, आँत, रीढ़ और मस्तिष्क।
- **रोग का संचार:**
  - यह संक्रमण हवा से फैलता है जो **संक्रमित के निकट संपर्क से** फैलता है, खासकर खराब वेंटिलेशन वाले **घनी आबादी वाले स्थानों में।**
- **लक्षण:**
  - सक्रिय फेफड़े के टीबी के सामान्य लक्षण हैं बलगम वाली खाँसी और कभी-कभी खून आना, सीने में दर्द, कमज़ोरी, वज़न कम होना, बुखार और रात में पसीना आना।
- **उपचार:**
  - टीबी एक उपचार योग्य बीमारी है।
  - टीबी रोधी दवाओं का उपयोग दशकों से किया जा रहा है तथा सर्वेक्षण किये गए प्रत्येक देश में **एक या अधिक दवाओं के प्रतिप्रतिरोधी उपभेदों का दस्तावेज़ीकरण** किया गया है।
    - **'बहुऔषध-प्रतिरोधक तपेदिक' (Multidrug-resistant TB or MDR-TB):** जब किसी मरीज़ पर तपेदिक के इलाज के लिये उपयोग की जाने वाली दो सबसे शक्तिशाली एंटीबायोटिक्स काम नहीं करती हैं तो तपेदिक के ऐसे मामलों को MDR-TB के रूप में जाना जाता है।

- **MDR-टीबी का उपचार बेडाक्विलिनि जैसी दूसरी पंक्ति की दवाओं के उपयोग से संभव है।**

- 'व्यापक रूप से ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक' (Extensively Drug-Resistant TB or XDR-TB) MDR-टीबी का एक अधिक गंभीर रूप है जो बैक्टीरिया के कारण होता है यह सबसे प्रभावी दूसरी पंक्ति की एंटी-टीबी दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं देता है, जिससे अक्सर रोगियों को बिना किसी अन्य उपचार के विकल्प के छोड़ दिया जाता है।

टीबी से निपटने के लिये भारत की पहल:

- प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान।
- **क्षय रोग उन्मूलन (2017-2025) के लिये राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (NSP)**
- टीबी हारेगा देश जीतेगा अभियान।
- निक्षय पोषण योजना।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR):

- भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) जैव चिकित्सा अनुसंधान के निर्माण, समन्वय एवं संवर्द्धन के लिये भारत का शीर्ष निकाय है।
- इसकी स्थापना **वर्ष 1911** में इंडियन रिसर्च फंड एसोसिएशन (Indian Research Fund Association- IRFA) के नाम से हुई थी और **वर्ष 1949 में इसका नाम बदलकर ICMR** कर दिया गया।
- यह **भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** के माध्यम से **वित्तपोषित** है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nutrition-s-role-in-tuberculosis-prevention